भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

11.12.2019 के

तारांकित प्रश्न सं.323 का उत्तर

रेल परियोजनाएं

***323. श्री भागीरथ चौधरी**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान राजस्थान राज्य में स्वीकृत नई रेल परियोजनाओं का जोन-वार और वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान स्वीकृत ऐसी परियोजनाओं की संख्या कितनी है जिन पर वर्तमान में कार्य चल रहा है और अब तक किए गए व्यय का परियोजना-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का राज्य में कोई नई परियोजना स्वीकृत किए जाने का विचार है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

रेल परियोजनाओं के संबंध में दिनांक 11.12.2019 को लोक सभा में श्री भागीरथ चौधरी के तारांकित प्रश्न सं.323 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख): रेल परियोजनाएं राज्य-वार नहीं बल्कि ज़ोन-वार स्वीकृत की जाती हैं, जिनका अधिकार-क्षेत्र राज्यों की सीमाओं के आर-पार फैला होता है। बहरहाल, पिछले पांच वर्षों और चालू वर्ष (2014-15 से 2018-19 और 2019-20) के दौरान, राजस्थान राज्य में पूर्ण/आंशिक रूप से पड़ने वाली 23,206 करोड़ रु. की लागत वाली 1,772 कि.मी. लंबी 4 नई लाइन, 1 आमान परिवर्तन और 8 दोहरीकरण परियोजनाओं को रेल बजट में शामिल किया गया था। इन परियोजनाओं का ब्यौरा परिशिष्ट में दिया गया है।

2009-14 के दौरान, राजस्थान राज्य में 160 कि.मी. प्रति वर्ष की औसत दर से 798 कि.मी. लंबी लाइनें (61 कि.मी. नई लाइन, 675 कि.मी. आमान परिवर्तन और 62 कि.मी. दोहरीकरण) यातायात के लिए चालू की गई हैं।

2014-19 के दौरान राजस्थान राज्य में 303 कि.मी. प्रति वर्ष की औसत दर से 1516 कि.मी. लंबी लाइनें (80 कि.मी. नई लाइन, 483 कि.मी. आमान परिवर्तन और 953 कि.मी. दोहरीकरण) यातायात के लिए चालू की गई हैं, जो 2009-14 के दौरान यातायात के लिए चालू की गई लाइनों का 190 प्रतिशत है।

2014-19 के दौरान राजस्थान राज्य में पूर्णत:/आंशिक रूप से पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा संबंधी निर्माण कार्यों के लिए औसत वार्षिक बजट आबंटन 682 करोड़ रु. प्रति वर्ष (2009-14 के दौरान) से बढ़ाकर 2951 करोड़ रु. प्रति वर्ष कर दिया गया है। इस प्रकार, 2014-19 के दौरान औसत वार्षिक बजट आबंटन 2009-14 (682 करोड़ रु. प्रति वर्ष) के औसत वार्षिक बजट आबंटन का 433 प्रतिशत है।

(ग) और (घ): रेलवे के विकास के लिए परियोजनाओं को स्वीकृत करना एक सतत प्रक्रिया है। रेल परियोजनाओं को राज्य सरकारों, केंद्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जनप्रतिनिधियों और रेलवे की अपनी आवश्यकताओं, राज्य सरकारों या निजी उद्यमियों द्वारा भागीदारी आदि द्वारा उठाई गई मांगों के आधार पर स्वीकृत किया जाता है। इन परियोजनाओं को लाभप्रदता, अंतिम मील संपर्कता, अप्राप्य कड़ियां और वैकल्पिक मार्गों आदि के आधार पर शुरू किया जाता है।

****

रेल परियोजनाओं के संबंध में दिनांक 11.12.2019 को लोक सभा में श्री भागीरथ चौधरी के तारांकित प्रश्न सं.323 के भाग (क) और (ख) के उत्तर से संबंधित परिशिष्ट।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	बजट में शामिल/ स्वीकृत करने का वर्ष	क्षेत्रीय रेलवे	नवीनतम प्रत्याशित लागत (करोड़ रु. में)	मार्च 2019 तक व्यय (करोड़ रु. में)	2019-20 के लिए परिव्यय (करोड़ रु. में)	स्थिति
दोहरीकरण							
1.	नीमच-चित्तौड़गढ़ (55.73 कि.मी.)	2015-16	पश्चिम रेलवे	389.99	165.33	139	शंभुपुरा-चित्तौडगढ़ (13.10 कि.मी.): यातायात के लिए चालू कर दिया गया है। शेष खंड में निर्माण कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
2.	फुलेरा-देगाना (108 कि.मी.)	2015-16	उत्तर पश्चिम रेलवे	686	4.43	150	भूमि अधिग्रहण शुरू कर दिया गया है। (27 हेक्टेयर भूमि में से 14.70 हेक्टेयर भूमि अधिगृहीत कर ली गई है।) उपलब्ध भूमि में कार्य शुरू कर दिया गया है।
3.	मथुरा-झांसी तीसरी लाइन (274 कि.मी.)	2015-16	उत्तर पश्चिम रेलवे	3677.76	343	276	भूमि अधिग्रहण, वन/वन्य जीव क्लीयरेंस प्राप्त कर लिया गया है। ताज़ ट्रेपिजियम ज़ोन में वानिकी क्लीयरेंस संबंधी समस्या है। अंतिम निर्णय माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लंबित है। उपलब्ध भूमि में कार्य शुरू कर दिया गया है।
4.	देगाना-राई का बाग (145 कि.मी.)	2018-19	उत्तर पश्चिम रेलवे	808.85	12.40	76	उपलब्ध भूमि में कार्य शुरू कर दिया गया है।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	बजट में शामिल/ स्वीकृत करने का वर्ष	क्षेत्रीय रेलवे	नवीनतम प्रत्याशित लागत (करोड़ रु. में)	मार्च 2019 तक व्यय (करोड़ रु. में)	2019-20 के लिए परिव्यय (करोड़ रु. में)	स्थिति
5.	आगरा फोर्ट-बांदीकुई (150 कि.मी.)	2018-19	उत्तर मध्य रेलवे	1519.12	व्यय नहीं किया गया है, क्योंकि परियोजना को अपेक्षित सरकारी क्लीयरेंस के अध्यधीन बजट 2018-19 में शामिल किया गया है। बहरहाल, वर्ष 2019-20 के लिए इस परियोजना हेतु 0.10 करोड़ रु. का परिव्यय मुहैया कराया गया है।		
6.	मथुरा-धौलपुर चौथी लाइन (107 कि.मी.)	2018-19	उत्तर मध्य रेलवे	2945.75	व्यय नहीं किया गया है, क्योंकि परियोजना को अपेक्षित सरकारी क्लीयरेंस के अध्यधीन बजट 2018-19 में शामिल किया गया है। बहरहाल, वर्ष 2019-20 के लिए इस परियोजना हेतु 0.10 करोड़ रु. का परिव्यय मुहैया कराया गया है।		
7.	धौलपुर-झांसी-बीना चौथी लाइन (321.80 कि.मी.)	2018-19	उत्तर मध्य रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे	4869.95	व्यय नहीं किया गया है, क्योंकि परियोजना को अपेक्षित सरकारी क्लीयरेंस के अध्यधीन बजट 2018-19 में शामिल किया गया है। बहरहाल, वर्ष 2019-20 के लिए इस परियोजना हेतु 0.10 करोड़ रु. का परिव्यय मुहैया कराया गया है।		
8.	सवाई माधोपुर-जयपुर-दोहरीकरण (131.27 कि.मी.)	2019-20	उत्तर पश्चिम रेलवे	946.13	व्यय नहीं किया गया है, क्योंकि परियोजना को अपेक्षित सरकारी क्लीयरेंस के अध्यधीन बजट 2018-19 में शामिल किया गया है। बहरहाल, वर्ष 2019-20 के लिए इस परियोजना हेतु 0.001 करोड़ रु. का परिव्यय मुहैया कराया गया है।		
आमान परिवर्तन							
1.	मारवाड़-मावली (152 कि.मी.)	2017-18	उत्तर पश्चिम रेलवे	2654.03	व्यय नहीं किया गया है, क्योंकि परियोजना को बजट 2017-18 में शामिल किया गया है और इसे मीटर आमान धरोहर लाइन के रूप में बनाए रखने का विनिश्चश्य किया गया है। बहरहाल, वर्ष 2019-20 के लिए इस परियोजना हेतु 0.10 करोड़ रु. का परिव्यय मुहैया कराया गया है।		

क्र.सं.	परियोजना का नाम	बजट में शामिल/ स्वीकृत करने का वर्ष	क्षेत्रीय रेलवे	नवीनतम प्रत्याशित लागत (करोड़ रु. में)	मार्च 2019 तक व्यय (करोड़ रु. में)	2019-20 के लिए परिव्यय (करोड़ रु. में)	स्थिति
नई लाइन							
1.	अजमेर (नसीराबाद)-सवाई माधोपुर (चौथ का बरवाड़ा) बरास्ता टोंक (165 कि.मी.)	2015-16	उत्तर पश्चिम रेलवे	1,980.21	व्यय नहीं किया गया है क्योंकि परियोजना को इस शर्त के साथ स्वीकृत किया गया था कि परियोजना की 50% लागत और नि:शुल्क भूमि राजस्थान राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध करायी जाएगी। राज्य सरकार ने परियोजना की लागत में हिस्सेदारी से मना कर दिया गया है। परिणामस्वरूप परियोजना को स्थगित कर दिया गया है। बहरहाल, राजस्थान सरकार के अनुरोध पर परियोजना का व्यवहार्यता अध्ययन शुरू कर दिया गया है। बहरहाल, वर्ष 2019-20 के लिए इस परियोजना हेतु 0.20 करोड़ रु. का परिव्यय मुहैया कराया गया है।		
2.	नीमच-छोटी सदड़ी-बड़ी सदड़ी (48 कि.मी.)	2017-18	पश्चिम रेलवे	495.18	व्यय नहीं किया गया है, क्योंकि परियोजना को अक्तूबर 2018 में स्वीकृत किया गया है। अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण शुरू कर दिया गया है। बहरहाल, वर्ष 2019-20 के लिए इस परियोजना हेतु 10 करोड़ रु. का परिव्यय मुहैया कराया गया है।		
3.	तरंग हिल-आबू रोड बरास्ता अंबाजी (89 कि.मी.)	2017-18	उत्तर पश्चिम रेलवे	1879.15	व्यय नहीं किया गया है, क्योंकि परियोजना को अपेक्षित सरकारी क्लीयरेंस के अध्यधीन बजट 2018-19 में शामिल किया गया है। बहरहाल, वर्ष 2019-20 के लिए इस परियोजना हेतु 0.10 करोड़ रु. का परिव्यय मुहैया कराया गया है।		
4.	गुधा-तथाना-मिथरी - चल स्टॉक और अवसंरचना घटकों की जांच और परीक्षण के लिए समर्पित टेस्ट ट्रैक (25 कि.मी.) का निर्माण	2018-19	उत्तर पश्चिम रेलवे	353.48	व्यय नहीं किया गया है, क्योंकि परियोजना को नए कार्य के रूप में 2018-19 में स्वीकृत किया गया है। बहरहाल, वर्ष 2019-20 के लिए इस परियोजना हेतु 0.10 करोड़ रु. का परिव्यय मुहैया कराया गया है।		

******